सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-242 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, मंगलवार 06 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही राज्य सरकार-मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें।

भजनलाल शर्मा सोमवार को गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया था। इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं।

'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान में प्रवासियों का मिल रहा भरपूर सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

गुजरात तथा राजस्थान एक सिक्के के दो पहलू

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुजरात तथा राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को आधार मानकर राज्य सरकार गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण सुनिश्चित कर रही है।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही, युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं तथा हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

सरकारी कोटे के वकीलों की राजनीतिक नियुक्ति पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, सरकार को 15 दिन का टाइम दिया

जयपुर। राजस्थान में हाईकोर्ट व अधीनस्थ न्यायालयों में सरकारी कोटे के वकीलों की राजनीतिक नियुक्ति पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने इसके लिए सरकार को 2 सप्ताह का समय दिया है।

राजस्थान सरकार में अतिरिक्त महाधिवक्ता, सरकारी वकीलों एवं लोक अभियोजकों की नियुक्तियां राजनीतिक आधार पर किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सोमवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए सरकार से जवाब मांग लिया है।

मामले में अधिवक्ता पूनमचन्द भण्डारी ने राजस्थान हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि राजस्थान सरकार में नियुक्त किए जाने वाले अतिरिक्त महाअधिवक्ता, सरकारी वकील एवं लोक अभियोजकों की नियुक्तियां योग्यता के आधार पर होनी चाहिए। साथ यह भी कि लंबे समय से राज्य सरकार में बिना किसी मेरिट के आधार पर सरकारी अधिवक्ता नियुक्त किए जाते हैं एवं ज्यादातर अधिवक्ता ऐसे नियुक्त हो जाते हैं, जो इस पद के लायक नहीं होते हैं, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है। इस मामले में कई बार उच्च न्यायालय ने भी गंभीर टिप्पणियां की हैं।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ.

टी.एन. शर्मा एवं अभिनव भंडारी के अनुसार अगर अधिवक्ताओं का चयन मेरिट के बेसिस पर होता है तो न्याय में तेजी आएगी एवं न्यायालय को भी सही निर्णय करने में सहायता मिलेगी। अभी हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने महावीर व अन्य बनाम हरियाणा राज्य के मामले में सरकारों द्वारा राजनीतिक आधार पर अधिवक्ताओं की नियुक्ति पर चिंता जताई है और कहा है कि सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति राजनीतिक आधार पर नहीं हो तथा अधिवक्ताओं की योग्यता, उनकी कानून के बारे में जानकारी तथा उनका बैकग्राउंड और इंटीग्रिटी के आधार पर नियुक्तियां होनी चाहिए।

कोर्ट का कहना है कि राज्य सरकार राजनीतिक आधार पर नियुक्तियां करती है तो इससे उचित न्याय नहीं हो पाता है और न्यायालय का समय भी बर्बाद होता है साथ ही आम जनता में भी गलत मैसेज जाता है।

याचिकाकर्ता ने बताया कि वर्तमान सरकार में भी कई अधिवक्ताओं की नियुक्तियां बिना मेरिट के आधार पर की गई हैं, जिन पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। वहीं राज्य सरकार के द्वारा सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति के लिए कोई दिशा-निर्देश भी नहीं है। इसलिए सरकार को चाहिए कि जिस तरह से सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं के चयन के लिए गाइड लाइन बनाई गई है वैसी गाइड लाइन सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति के लिए बनाई जाए।

याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता उपस्थित हुए। हाईकोर्ट ने उनसे पूछा कि क्या पहले ऐसे कोई मामले निस्तारित हुए हैं तो महाधिवक्ता ने कहा कि पहले जोधपुर में ऐसा मामला निस्तारित हुआ है, लेकिन जजमेंट के खिलाफ पुनर्विचार याचिका लंबित है और एक अन्य अतिरिक्त महा अधिवक्ता से संबंधित मामला जयपुर में लंबित है। इस पर न्यायालय ने उन्हें दो सप्ताह में उन मामलों से संबंधित आदेशों की प्रति न्यायालय में प्रस्तुत करने के आदेश दिए।

मामले की सुनवाई राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव एवं न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने की तथा प्रकरण को दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। प्रकरण में अधिवक्ता आईजे कथूरिया, राकेश चंदेल, भूपेंद्र सिंह राव, विष्णु दत्त भारद्वाज भी याचिकाकर्ता भंडारी की तरफ से उपस्थित रहे।

पाकिस्तान पर कार्रवाई में संकोच नहीं करें, सरकार के साथ है पूरा देश-पायलट

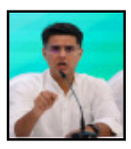

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला महज पर्यटकों पर हमला नहीं है, बल्कि यह भारत पर हमला है। सरकार को 140 करोड़ भारतीयों और सभी राजनीतिक दलों का समर्थन है। पाकिस्तान पर कार्रवाई करने से सरकार

को संकोच नहीं करना चाहिए, पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है। पायलट ने यह बातें कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में कही। पायलट ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, चरणजीत सिंह चन्नी के साथ सीडब्ल्यूसी की बैठक के निर्णयों की जानकारी दी। पायलट ने कहा कि इस संकट की घड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सरकार को पूर्ण समर्थन दे चुके हैं। कांग्रेस भारत सरकार के सभी निर्णयों के साथ है। कांग्रेस चाहती है कि आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। भारत सरकार के जितने भी संसाधन हैं, उन्हें जुटाकर ऐसा जवाब देना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटना कभी न हो। सरकरा को बेहतर पता है कि क्या करना है, क्योंकि उनके पास सभी खुफिया जानकारी और संसाधन हैं। अंतरराष्ट्रीय दबाव की जानकारियां है। हमारा मानना है कि सरकार को संकोच नहीं करना चाहिए, पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' समिट के एमओयू क्रियान्वयन की सराहना की

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित 100 करोड़ से 1,000 करोड़ रुपये तक के निवेश प्रस्तावों की स्थिति की समीक्षा के लिए पाक्षिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में निवेश प्रस्तावों के भूमि पूजन और उन्हें क्रियान्वयन के स्तर पर लाने की सरहना की गई। ये समीक्षा बैठकें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार की गई त्रिस्तरीय निगरानी प्रणाली का हिस्सा हैं, जिससे निवेश प्रस्तावों का सुचारु कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। पंत ने इस प्रगति में विभिन्न विभागों की सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए कहा प्रभावी निगरानी तंत्र और विभागों के बीच सुचारु समन्वय ने निवेश प्रतिबद्धताओं को ज़मीनी स्तर पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने औद्योगिक परियोजनाओं

के लिए भूमि की उपलब्धता के महत्व पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि भूमि आवंटन केवल वास्तविक परियोजना आवश्यकताओं और नियमों के आधार पर ही किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि एक अमूल्य संसाधन है और इसका आवंटन विवेकपूर्ण और आधिकारिक तौर पर होना चाहिए।

रीको द्वारा भूमि आवंटन का दूसरा चरण इस माह शुरू होने जा रहा है। 15 मार्च से 30 अप्रैल 2025 के बीच राजस्थान सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने वाले निवेशक 15 मई 2025 से प्रारंभ हो रहे डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी (फेज़ द्वद्व) के तहत भूमि के लिए आवेदन कर सकेंगे।

पंत ने सभी विभागीय सचिवों को साप्ताहिक समीक्षा बैठकें आयोजित करने, गंभीर निवेशकों को प्राथमिकता देने और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि परियोजनाओं को शीघ्रता से लागू किया जा सके।

उन्होंने कहा, हमें निवेशकों के साथ समन्वय को और मजबूत करना होगा ताकि प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सके और परियोजनाओं की शुरुआत में कोई देरी न हो।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बयान पर सीएम का तीखा हमला

उनका मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है-गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को लेकर तीखा हमला किया है। मुख्यमंत्री ने गहलोत पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि गहलोत ने अपने जीवन में कभी अच्छे विचार नहीं अपनाए, इसलिए आज उनकी यह हालत हो गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भाजपा प्रशिक्षण शिविर को लेकर दिए गए बयान पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पलटवार किया है। सीएम शर्मा ने कहा कि गहलोत का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। कांग्रेस आज कुछ राज्यों तक सिमटकर रह गई है और यह हताशा भरा व्यवहार उसी का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस अपने विधायकों को होटल में बंद कर सरकार बचाने की कोशिश कर रही थी, उस समय भाजपा के विधायक एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ प्रशिक्षण ले रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, जबकि कांग्रेस केवल सत्ता की राजनीति में उलझी हुई है।

गौरतलब है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने प्रदेश की बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए बयान दिया था। गहलोत ने कहा था कि भाजपा द्वारा हमारी सरकार गिराने का षड्यंत्र करने पर विधायकों को एकजुट रखने के लिए कुछ दिन होटल में रहना पड़ा थाख् जिससे भाजपा का कोई प्रलोभन काम न कर सके और अंतत¬ भाजपा के धनबल की हार हुई तथा सत्य की विजय हुई थी और हमारी सरकार चलती रही।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री सहित पूरी सरकार और भाजपा विधायक दल गुजरात के आलीशान रिजॉर्ट में प्रशिक्षण लेने के लिए जा रहा है। ऐसा पहली बार देखा जा रहा है जब सरकार बने डेढ़ साल हो जाने के बाद प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जब राज्य की जनता बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था, गर्मी में पानी और बिजली की कमी, चिकित्सा सुविधाओं के बंटाधार से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है तब भाजपा की पूरी सरकार मौज-मस्ती के लिए गुजरात में है। राजस्थान की जनता इसे याद रखेगी।

MLA रिश्वत कांड: रिश्वत की रकम को जमीन में गाड़ी, ACB ने की बरामद, MLA 2 दिन पुलिस रिमांड पर

मीनेश चंद्र मीना
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

जयपुर। रिश्वत प्रकरण में

बागीदौरा (बांसवाड़ा) के भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक जयकृष्ण पटेल के रिश्वत में लिए 20 लाख रुपए सोमवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने (ष्टक्क) ने बरामद कर लिए। विधायक ने पैसा भांजे को दे दिया था।

रिश्वत की रकम को MLA का भांजा लेकर हुआ था फरार

गौर तलब है कि विधायक जयकृष्ण पटेल ने रिश्वत की रकम को भांजे को दिए और भांजे ने पैसे रिश्तेदार को दे दिए, जिसने जमीन में गाड़ दिए। ACB टीम ने जमीन में दबे रुपए निकाल लिए। 4 मई को जब ष्टक्क टीम विधायक के आवास पर पहुंची थी तो एक व्यक्ति ये रुपए लेकर भाग गया था।

मोबाइल सर्विलांस के आधार पर रिश्तेदार को पकड़ा –

ACB की टीम ने मोबाइल सर्विलांस के आधार पर विधायक के रिश्तेदार जसवंत को लेकर आई। करीब ढाई घंटे की पूछताछ के बाद ष्टक्क को जसवंत ने बताया कि पैसे जगराम के पास है। इसके बाद टीम जसवंत को लेकर जगराम के जयपुर के प्रतापनगर स्थित इंदिरा गांधी नगर उसके घर लेकर गई। जहां जमीन में दबाए रुपए बरामद किए। पूछताछ में सामने

आया कि विधायक ने पैसा लेकर अपने भांजे रोहित को दिया था। रोहित पैसा लेकर विधायक आवास से निकला था। फिर रिश्तेदार जसवंत को पैसा देकर कहा- यह पैसा परिचित जगराम को देना और छिपा देना। इसके बाद जसवंत पैसा लेकर जगराम के घर इंदिरा गांधी नगर गया था। पैसा देकर बोला की प्रॉपर्टी की डीलिंग नहीं हुई है, इसलिए इस पैसे को घर में कही पर छिपा दे। इसके बाद दोनों ने मिलकर पैसा जमीन में दबा दिया था।

कोर्ट ने 2 दिन के रिमांड पर सौंपा –

इधर, विधायक जयकृष्ण पटेल को ष्टक्क ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने विधायक और उसके चचेरे भाई को दो दिन की रिमांड पर सौंप दिया। कोर्ट से बाहर आने के बाद विधायक जयकृष्ण पटेल ने कहा- मुझे फंसाया जा रहा है। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। इसके बाद ACB टीम विधायक को मुख्यालय लेकर चली गई। वहीं, दूसरी तरफ ACB ने विधायक क्वार्टर्स के सभी सीसीटीवी फुटेज को सीज कर लिया है। सर्वर रूम की एफएसएल से जांच करवाई जाएगी।

गर्मियों में यात्रियों को राहत देने के लिए रेलवे का बड़ा कदम, दो समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन

जयपुर। गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उत्तर-पश्चिम रेलवे द्वारा समर स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को यात्रा करने में सुविधा मिल सके।

गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उत्तर-पश्चिम रेलवे द्वारा समर स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को यात्रा करने में सुविधा मिल सके।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार

1. गाड़ी संख्या 09002/09001- खातीपुरा (जयपुर)ङ्क मुंबई सेंट्रलङ्कखातीपुरा (जयपुर) त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा

गाड़ी संख्या 09002, खातीपुरा (जयपुर) से मुंबई सेंट्रल के लिए त्रि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 8 मई से 27 मई 2025 तक प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को

शाम 6¬40 बजे रवाना होगी और अगले दिन 1.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09001, मुंबई सेंट्रल से खातीपुरा (जयपुर) के लिए वापसी सेवा 7 मई से 26 मई 2025 तक (कुल 9 फेरे) प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार को 12¬20 बजे रवाना होगी और अगले दिन 4¬40 बजे खातीपुरा पहुंचेगी।

इसके लिए ठहराव स्टेशन¬ बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, रानी, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, कनकपुरा एवं गांधीनगर, जयपुर होंगे।

इस ट्रेन में 4 सेकंड एसी, 10 थर्ड एसी, 2 पॉवरकार सहित कुल 16 डिब्बे होंगे।

2. गाड़ी संख्या 03008/03007- खातीपुरा (जयपुर)। हावड़ा, खातीपुरा (जयपुर) साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा

गाड़ी संख्या 03008, खातीपुरा से हावड़ा के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 15 अप्रैल से 03 जून 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को सुबह 5¬30 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 3.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 03007, हावड़ा से खातीपुरा के लिए वापसी सेवा 13 अप्रैल से 1 जून 2025 तक (कुल 8 फेरे) प्रत्येक रविवार को शाम 6 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 11¬30 बजे खातीपुरा पहुंचेगी।

इसके ठहराव स्टेशनों में बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर, पटना, दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, प्रयागराज, गोविंदपुरी, इटावा, फतेहाबाद, शमशाबाद टाउन, आगरा कैंट, भरतपुर, बांदीकुई एवं दौसा होंगे।

इसकी कोच संरचना में 1 सेकंड एसी, 2 थर्ड एसी, 12 स्लीपर, 3 सामान्य श्रेणी एवं 2 गार्ड कोच सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

सदबुद्धि देना भगवान,संभावित युद्ध पर लगे विराम : प्रधानमंत्री की आतंकियों को कड़ी चेतावनी

विनोद कुमार सिंह,

इतिहास इस बात का साक्षी है,जब - जब दो देशों के मध्य युद्ध होता है तो दोनों देशो में भारी जान मान की हानि होती है।विकाश गति ही नहीं रुकती है बल्कि कई मयाने में देश दशकों पीछे पहुँच जाता है। ऐसे हम आज यही कहने को मजबुर है कि- इन्हें सद्बुद्धि देना भगवान, संभावित युद्ध पर लगे विराम भारत-पाक के मध्य युद्ध के गहराते संकट के उमड़ते - घुमड़ते बादल जो विकाश की ब्यार नही बल्कि विनाश व विध्वंस का विगुल बजाने को आतुर लग रहा है ।जो देशों की मासुम व भोली भाली जनता कभी नही चाहेगी।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में एक बार फिर से आतंकियों का क्रूर व काला चेहरा सबके सामने आया है। इसके पीछे कुछ सिर फिरे आतंकियों का हाथ था,जिन्होनें क्रूरता के साथ निर्दोष 26 लोगों की हृदय विदारक हत्या कर दी थी। जिससे एक वार आतंकी हमले ने साल 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले की याद दिला दी है।दोनों आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने आतंक के आकाओं को ना केवल चेताया बल्कि उनके खिलाफ कोठर कार्रवाई भी की।आप को याद होगा कि पुलवामा हमले में 44 सी आर पी एफ जवान शहीद हो गए थे। विगत दिनों जम्मु - कशमीर पुलवामा में हुए आतंकी हमले से भारत-पाक के मध्य युद्ध के काले बादल गहराने लगे,विकाश नही विनाश का विगुल बजने के अंदेशा लगने लगा है।ऐसे देश के चौथे खम्मा कहे जाने वाले मीडिया जिसकी भुमिका पर सन् 2014 से लगातार ही शंका सवाल उठता रहता है।जिससे भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारी तंत्र पर सवाल उठाए जाते है।आज आप अपने घर कार्यालय व मो. पर जिस नजर डाले - भारत पाक के मध्य में कभी भी युद्ध होने का माहौल को बढ़ा चढ़ा दर्शकों को दिखाया जा रहा है।अधिकत्तर टी वी चैनलों खास खबररिया चैनल के युद्धवीर उद्घोषक दोनों देश शैन्य शक्ति, सैन्य शक्ति पर वाक्य युद्ध करते हुए नजर आ रहे है।भारत पाक सर्वविदित रहे कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में आर्तकियों को कड़ी चेतावनी दी थी ,इसके बाद पीएम मोदी ने कहा था कि इस आतंकी घटना के पीछे जो ताकत है उसे जरूर सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि इस समय जो देश की अपेक्षाएं हैं,कुछ कर गुजरने की भावनाएं हैं,वो स्वाभाविक हैं। हमारे सुरक्षा बलों को पूर्ण स्वतंत्रता दी हुई है।हमें अपने सैनिकों के शौर्य पर पूरा भरोसा है। आये दिनों एल ओ सी के पास पूरी रात गरज रहे है। फाइटर जेट्स पाकिस्तान में दशहत का माहौल है।पहलगाम के आतंक वादी हमले के बाद केन्द्र की मोदी सरकार के 5 बड़े फैसले लिए है। जिसमें भारत पाक के मध्य हुए सिंधु जल संधि,अटारी,सार्क बीजा सब बंद! मोदी द्वारा अपील की गई है कि सभी लोग सही जानकारियाँ हमारी एजेंसियों तक पहुंचाएंगे,ताकि आतंक को कुचलने में हमारी लड़ाई और तेज हो सके। इस मौके पर सभी राजनीतिक छींटाकशी से दूर रहें।इस हमले का देश एकजुट होकर मुकाबला कर रहा है।देश का एक ही स्वर है और यही पूरे विश्व में सुनाई देना चाहिए , क्योंकि लड़ाई हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं।सिंधु जल संधि के तहत भारत द्वारा पाकिस्तान को दिए जाने वाले पानी की आपूर्ति को रोकने की भी बात की गई थी,हालांकि बाद में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।भारत ने नियंत्रण रेखा पर अपनी

सैन्य उपस्थिति और निगरानी बढ़ा दी है।जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ तलाशी और घेराबंदी अभियान तेज कर दिए गए है।पहलगाम आतंकी हमले के बाद मोदी ने अपने भाषण में आतंकवाद के खिलाफ खुली जंग का ऐलान किया। हमले के दुसरे दिन बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आर्तकियों और आतंक की साजिश रचने वाले पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया।उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी यह हमला किया है उन आर्तकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा 'हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ,देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं,जिन्होंने भी यह हमला किया,उन आर्तकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को,उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी।पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर कई तरह की कार्रवाइयां की हैं।ये कार्रवाइयाँ राजनयिक,आर्थिक और कुछ हद तक सैन्य हैं।भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया है।नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात सैन्य सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित कर दिया गया है तथा उन्हें देश छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है।इसके साथ ही इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी समकक्ष सैन्य सलाहकारों को वापस बुला लिया गया है।दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या को 55 से घटाकर 30 करने का निर्णय लिया गया है।भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा छूट योजना को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।पहले जारी किए गए सभी रश्एर वीजा भी रद्द माने जाएंगे और इस वीजा पर भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है।भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी प्रकार की वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।भारत ने अटारी स्थित एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है।इससे दोनों देशों के बीच आवाजाही रुक गई है।इसके साथ ही भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को निलंबित कर दिया है।सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समाप्त नहीं कर देता।अटारी सीमा चौकी को बंद करने और सीमा शुल्क में पहले से की गई वृद्धि के कारण द्विपक्षीय व्यापार पहले से ही काफी हद तक प्रभावित है।वहीं भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर अपनी निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है।सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने श्रीनगर का दौरा कर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की है और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं।जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं।कुछ आतंक वादियों के घरों को भी ध्वस्त किया गया है। आप को बता दे कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए विगत बुधवार की सुबह सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति और कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति की आपात बैठक बुलाई गई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में देश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई और पाकिस्तान को जवाब देने के संभावित विकल्पों पर चर्चा हुई। आप को याद होगा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार एक्शन मोड में है।सोमवार को हुए इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की बेरहमी से हत्या के बाद पूरे देश में गुस्सा है और पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की मांग उठ रही है।इस महत्वपूर्ण बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।इस बैठक का उद्देश्य पहलगाम हमले के बाद की सुरक्षा स्थिति का मूल्यांकन करना और आगे की रणनीति तय करना था।सीमा पर सेना को अलर्ट पर रखा गया है और आतंकी संगठनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं।भारतीय सेना की ओर से स्पष्ट किया गया है कि पाकिस्तान की हर नापाक हरकत को सख्ती से जवाब दिया जाएगा।सैन्य सूत्रों के अनुसार,सेना ने न सिर्फ जवाबी कार्रवाई की बल्कि पाकिस्तानी पोस्ट्स को सटीक निशाना भी बनाया।इस तरह की लगातार हो रही गोलीबारी से नियंत्रण रेखा पर तनाव एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है।पीएम मोदी ने सेना को उचित कार्रवाई का आदेश दिया है।वही लगातार पाकिस्तान की ओर से लगातार सिस फायर का उल्लंगन किया जा रहा है। वही भारतीय सेना अपने सैन्य अधिकारियों व सैन्य हथियारों के द्वारा पुवार्भास करनें लगे-कुछ मिलाकर भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्ध के मड़राते हुए काले बादल देख कर विश्व के कई देशों के शीर्ष नेतृत्व द्वारा दोनो के मध्य मध्यता करने के तैयार है। इतिहास इस बात का साक्षी है,जब - जब दो देशों के मध्य युद्ध होता है तो दोनों देशो में भारी जान मान की हानि होती है।विकाश गति ही नहीं रुकती है बल्कि कई मयाने में देश दशकों पीछे पहुँच जाता है। ऐसे हम आज यही कहने को मजबुर है कि-इन्हें सद्बुद्धि देना भगवान, संभावित युद्ध पर लगे विराम भारत-पाक के मध्य युद्ध के गहराते संकट के उमड़ते - घुमड़ते बादल जो विकाश की ब्यार नही बल्कि विनाश व विध्वंस का विगुल बजाने को आतुर लग रहा है ।जो देशों की मासुम व भोली भाली जनता कभी नही चाहेगी।

- स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार

संपादकीय

निर्णायक कदम की जरूरत

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के विरुद्ध उठाए जा रहे दंड़ात्मक कदमों की श्रृंखला में एक नया कदम यह जोड़ा है कि उसने पाकिस्तान के साथ हर तरह का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष आयात बंद कर दिया है। डाक-पार्सल के आदान-प्रदान पर भी रोक लगा दी है। इसी के साथ यह फैसला भी लिया है कि भारत का कोई जहाज पाकिस्तान के बंदरगाहों पर नहीं जाएगा। इसके पहले भारत सरकार ने तब तक के लिए सिंधु जल समझौता को एकतरफा तौर पर स्थगित कर दिया है तब तक कि पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आतंकवादी हमले बंद नहीं करता। इसके

अलावा, अटारी-बाघा सीमा को भी बंद कर दिया गया है। सार्क बीजा के तहत भारत में आगे पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहा गया है और दोनों देशों के उच्चायोगों के कर्मियों की संख्या 55 से घटा कर 30 कर दी गई है। जाहिर है कि ये सभी ऐसे कदम हैं जो पाकिस्तान को आर्थिक और कूटनीतिक, दोनों स्तरों पर क्षति पहुंचाने वाले हैं, लेकिन प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर भारत को भी कुछ न कुछ नुकसान अवश्य पहुंचेगा। यहां सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि भारत के लोगों का गुस्सा अभी उफान पर है। भारत ने जो दंड़ात्मक कदम उठाए हैं, उनसे ऐसा नहीं लगता कि जनाक्रोश में किसी तरह की प्रभावी कमी आएगी। अगर यह जनाक्रोश बना रहता है तो इससे सर्वाधिक नुकसान प्रधानमंत्री और भारत सरकार की छवि को होगा। स्वयं प्रधानमंत्री ने, भाजपा नेताओं ने और भारत के मीड़िया ने जो वातावरण बनाया है, उसमें यह अपेक्षा निहित है कि पाकिस्तान को ऐसा दंड़ दिया जाए जो दंड़ प्रतीत हो। अगर ऐसा नहीं होता है तो प्रधानमंत्री मोदी अपने समर्थकों का विश्वास तो खोएंगे ही और साथही विपक्षी नेताओं के निशाने पर भी आ जाएंगे कि बड़ी-बड़ी बातें करने वाले ने कुछनहीं किया। वैसे भी विपक्षी नेता शुरू से ही ऐसे अनर्गल आरोप लगाते रहे हैं, जिनसे प्रधानमंत्री मोदी की छवि ऐसे नेता की बनाने का प्रयास दिखा कि वे बोलते खूब हैं, धरातल पर कुछ खास नहीं करते। इसलिए अब सवाल प्रधानमंत्री मोदी की छवि का भी आ जुड़ा है। वस्तुतः ऐसा प्रतीत होता है कि भारत सरकार शेर की सवारी कर रही है। अगर इस शेर को तुरंत ही सही तरीके से नहीं साधा गया तो परिणाम वैसा भी हो सकता है, जैसा कि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, सरकार जनाक्रोश को थामने में मनोयोग से जुटी है।

चिंतन-मनन

नफरत का बोझ

बहुत पुरानी कथा है। एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े-बड़े आलू साथ लेकर आएं। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिए, जिससे वे नफरत करते हैं। जो शिष्य जितने व्यक्तियों से घृणा करता है, वह उतने आलू लेकर आए। अगले दिन सभी शिष्य आलू लेकर आए। किसी के पास चार आलू थे तो किसी के पास छह। गुरु ने कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहां भी जाएं, खाते-पीते, सोते-जागते, ये आलू सदैव साथ रहने चाहिए। शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन वे क्या करते, गुरु का आदेश था। दो-चार दिनों के बाद ही शिष्य आलुओं की बदबू से परेशान हो गए। जैसे-तैसे उन्होंने सात दिन बिताए और गुरु के पास पहुंचे। सबने बताया कि वे उन सड़े आलुओं से परेशान हो गए हैं। गुरु ने कहा- यह सब मैंने आपको शिक्षा देने के लिए किया था। जब सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिए कि आप जिन व्यक्तियों से नफरत करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह नफरत आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक इन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से गलत भावनाओं को निकाल दो, यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम से कम नफरत तो मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। सभी शिष्यों ने वैसा ही किया।

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

ललित गर्ग

'कबाड़ से जुगाड़' सिर्फ. एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। 'कबाड़ से जुगाड़' का दर्शन बेकार वस्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है। यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता का भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है।

जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां 'कबाड़ से जुगाड़' के उपक्रम को दशार्ती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण है। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो. रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाडू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वह भी बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सावर्जनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है। खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लोग निहाल और अचंभित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वस्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते-चप्पल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वस्तुएं, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियाँ शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी। कबाड़ से कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वस्तुएं। पुराने कपड़ों से नए कपड़े या बैग बनाए जा सकते हैं। कबाड़ से खाद और अन्य उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जो खेती के लिए उपयोगी हो सकती हैं। जयपुर फुट, यह एक कृत्रिम अंग है जो कम लागत में बनाया जाता है और यह 'जुगाड़' मानसिकता का एक बेहतरीन उदाहरण है।

प्लास्टिक के कबाड़ को रिसाइकल करके उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जैसे कि प्लास्टिक दाना जो फुटवियर फैक्ट्रियों में इस्तेमाल होता है। कबाड़ से विभिन्न उपकरण बनाए जा सकते हैं, जैसे कि पानी फिल्टर, यांत्रिक उपकरण आदि। कबाड़ से सजावटी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं, जैसे कि विंड चाइम, फोटो फ्रेम, फूलों के गमले, आदि। जो सामान घर में उपयोग ना हो तो वह कबाड़ में तब्दील हो जाता है। इसके बाद उसे ऐसे ही बाहर फेंक दिया जाता है। अगर यही कबाड़ आपकी सेहत बनाने का काम करने के साथ ही गांव और शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दे तो यह अपने आपमें चर्चा एवं अनुकरणीय उदाहरण बन जाता है। कुछ ऐसा ही किया है आदिवासी ग्राम पंचायत बरेलीपार के लोगों ने, खेतों में उपयोग होने वाले औजारों सहित घर की खराब वस्तुओं का उपयोग कर ग्रामीणों ने ऐसा काम किया कि जो भी देखता है तो दंग रह जाता है। कबाड़ से ग्रामीणों ने स्वच्छता पार्क बनाने के साथ ही हेलीकॉप्टर तक बना दिया। कबाड़ के जुगाड़ से ग्रामीणों ने सुंदर पार्क का निर्माण किया तो लोगों की सेहत बनाने में भी कारगर साबित हो रहा है।

आतंकवाद : वैश्विक शांति में बड़ा अवरोध

संजीव ठाकुर

समग्र रूप से वैश्विक स्तर पर देखें तो आतंकवाद कई देशों के लिए बड़ा नासूर बन चुका है। भारत में पहलगाम घटना को लिया जाए तो 27 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या इसका बड़ा उदाहरण है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद बहुत बड़ा अवरोध और बड़ी रुकावट है। इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए अन्यथा मानवता कराहने लगेगी और ऐसे ही निर्दोष मासूम नागरिकों की हत्या होती रहेगी। आतंकवादियों विरुद्ध कड़े से कड़ा कदम उठा कर इनकी जड़ें ही खत्म कर देनी चाहिए और इन्हें चुनझचुन कर मारा जाना चाहिए। इस्त्राइल-हमास युद्ध इस बात का उदाहरण है, और अब भारत सरकार भी पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के साथ ही उनके पालनहारों को भी खत्म करने में लगी हुई है।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस में अशांति और भय की फैला कर अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास किया जाता है, जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं, जो समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट, हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती हैं। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक-राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। कश्मीर, लद्दाख, असम में विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक आपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अल कायदा, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में मौत का परचम फहरा के रखा। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह अलग-अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने के प्रयास करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी वाली क्षेत्र से पनपा है, जो आज पूरे भारत में फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए है।

आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में मौजूद है। कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। ये समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

आतंकवाद को वृहद् रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है। आतंकवादियों, नक्सलियों और नस्लवादियों को रासायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई हैं। विश्व में वर्ल्ड. ट्रेड सेंटर 11 सितम्बर, 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास का सबसे क्रूरतम हमला माना जाता है।

भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का वृहद् रूप ले चुका है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है कि कोई भी देश नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा। वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है। वहां तालिबानी आतंकवादियों ने सरकार गिरा कर शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस-यूक्रेन युद्ध में लाखों लोगों की हमला करके हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का भयानक रूप है।

पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित

अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल नष्ट करना होगा क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता। यह हिंसक आतंक पैदा करने वाली घिनौनी विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा ने जन समुदाय में रोष तथा खौफ पैदा कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्त्तव्य है कि इस विचारधारा और इसकी गतिविधियों को नष्ट करने का प्रयास करे।

सैमसंग ने सीईएसटीएटी में 50 करोड़ डॉलर जुर्माने को चुनौती दी!

नई दिल्ली। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग इंडिया ने उस पर लगाए गए 50 करोड़ डॉलर से अधिक के जुर्माने को चुनौती देते हुए सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) का दरवाजा खटखटाया है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों ने इसी साल सैमसंग पर नेटवर्किंग गियर सहित दूरसंचार उपकरणों के आयात को कथित रूप से गलत तरीके से वर्गीकृत करने के लिए 50 करोड़ डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाया था। सूत्रों ने बताया कि सैमसंग इंडिया ने उक्त आदेश को अपीलीय न्यायाधिकरण सीईएसटीएटी की मुंबई पीठ के समक्ष चुनौती दी है। हालों कि इस संबंध में अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। बताया गया कि यह याचिका लॉ फर्म लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन के माध्यम से अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष पेश की गई है। याचिका अभी तक सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है।

ओबेरॉय रियल्टी ने गोरेगांव में 970 करोड़ लक्जरी अपार्टमेंट बेचे

मुंबई। ओबेरॉय रियल्टी ने मुंबई के गोरेगांव में अपनी एकीकृत टाउनशिप परियोजना में 970 करोड़ रुपये के लक्जरी अपार्टमेंट बेचे हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि उसने 30 अप्रैल को गोरेगांव में अपनी टाउनशिप परियोजना ओबेरॉय गार्डन सिटी में 'एलिसियन टॉवर डी' की पेशकश की है। कंपनी ने कहा कि उसने 2.1 लाख वर्ग फुट (रेरा कार्पेट क्षेत्र) और 3.25 लाख वर्ग फुट के बिक्री योग्य क्षेत्र के लिए लगभग 970 करोड़ रुपये का कुल बुकिंग मूल्य दर्ज किया है।' इन अपार्टमेंट का आकार 2,009 से 3,430 वर्ग फुट तक है। ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन ने कहा कि कंपनी को इस परियोजना के लिए ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह सफलता न केवल ओबेरॉय रियल्टी ब्रांड की स्थायी ताकत को दर्शाती है, बल्कि लक्जरी जीवन को फिर से परिभाषित करने वाले एकीकृत शहरी विकास के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी मान्यता प्रदान करती है।

भूषण पावर एंड स्टील मामलाः समाधान पेश करने की प्रक्रिया पर उठे सवाल

नई दिल्ली। कंपनी मामलों का मंत्रालय और भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) भूषण पावर ऐंड स्टील मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अध्ययन कर रहे हैं। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय और आईबीबीआई यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी) के नियमों एवं प्रक्रियाओं के लिए सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के क्या निहितार्थ हैं। अधिकारी ने कहा' कि हम सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अध्ययन कर रहे हैं। हम यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि आईबीसी के विनियमों एवं प्रक्रियाओं के संदर्भ में इससे क्या सीखा जा सकता है। भूषण पावर ऐंड स्टील लिमिटेड के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील द्वारा प्रस्तुत 2019 की समाधान योजना को सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खारिज कर दिया और कंपनी के परिसमापन का आदेश दिया। यह फैसला आने के बाद जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 5 फीसदी की गिरावट आई थी।

जनरल स्टोर्स की दुकानों पर मिलेगी जरूरी दवाईयां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जनरल स्टोर से दवाइयों की बिक्री को जल्द ही मंजूरी दे सकती है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन के ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने,कमेटी से जो अनुशंसा प्राप्त हुई थी, उसे मान लिया है। कमेटी की अनुशंसा के अनुसार बिना लाइसेंस के भी अब जनरल स्टोर्स के माध्यम से ओटीसी के तहत आने वाले दवाओं की बिक्री जनरल स्टोर्स के माध्यम से हो सकेगी। इसमें फार्मासिस्ट की जरूरत नहीं होगी। सरकार के इस फैसले का विरोध ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट द्वारा किया जा रहा है। ऑर्गेनाइजेशन का कहना है, यदि सरकार ने यह निर्णय लिया,तो देश के 12 लाख केमिस्ट निर्णय के खिलाफ देशभर में आंदोलन करेंगे।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा, कहीं गिरे दाम

60 डॉलर से नीचे पहुंचा क्रूड आइल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है, लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर इसका कोई प्रभाव नहीं' दिखाई दे रहा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से सोमवार सुबह देशभर में जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में उछाल दिख रहा है। सोमवार को यूपी और बिहार से लेकर देश के कई शहरों में तेल के रेट बढ़ गए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 10 पैसे महंगा होकर 94.27 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे चढ़ा और 88.01 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 82 पैसे चढ़कर 95.40 रुपये और डीजल 93 पैसे महंगा होकर 88.60 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 50 पैसे गिरकर 105.23 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 47 पैसे सस्ता होकर 92.09 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 59.12 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी बड़ी गिरावट के साथ 56.056 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम - दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

रुपया 39 पैसे की बढ़त के साथ 84.18 डॉलर पर

रुपया पिछले दिन तीन पैसे के नुकसान के साथ 84.57 डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.45 प्रति डॉलर पर खुला और 84.47 के निचले स्तर तक गया। बाद में यह 39 पैसे की बढ़त के साथ 84.18 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। विदेशी निवेशकों की भारतीय संपत्तियों में रुचि बने रहने से स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। शुक्रवार को, रुपये में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया और एक समय यह 84 प्रति डॉलर के सात माह के उच्चस्तर पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में इसने अपना सारा लाभ गंवा दिया और तीन पैसे के नुकसान के साथ 84.57 डॉलर प्रति डॉलर पर बंद हुआ। छह अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.76 पर कारोबार कर रहा था।

आईएमएफ के बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किए गए परमेश्वरन अय्यर

नौ मई को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ईडी) परमेश्वरन अय्यर को नौ मई को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड में अस्थायी रूप से भारत के नामित निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सरकार ने आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक के रूप में केवी सुब्रमण्यन की सेवाओं को उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा होने से छह महीने पहले समाप्त कर दिया था। सरकार का यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की नौ मई को बैठक होनी है जिसमें जलवायु कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान को 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर के नए ऋण के साथ मौजूदा सात अरब डॉलर के राहत पैकेज की पहली समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि भारत कूटनीतिक और विभिन्न वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान को घेरने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यदि भारत ने अय्यर को नामित नहीं किया होता, बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी के नियमों के तहत श्रीलंका के वैकल्पिक कार्यकारी निदेशक हरिश्चंद्र पहाथ कुम्बुरे गेदारा ईडी के कर्तव्यों का निर्वहन करते। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 30 अप्रैल, 2025 से सुब्रमण्यन की सेवाओं को समाप्त कर दिया है। हालांकि, सुब्रमण्यन को हटाने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है।

भारतीय शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान सभी सभी मुख्य सूचकांकों में तेजी दर्ज की गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 294.85 अंक करीब 0.37 फीसदी बढ़कर 80,796.84 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 114.45 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी बढ़कर 24,461.15 अंक पर बंद हुआ। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 970 अंक करीब 1.81 फीसदी बढ़कर 54,675.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 168 अंक तकरीबन 1.02 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,609 पर बंद हुआ।

वाहन शेयरों में आज उछाल रहा। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.85 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ। वहीं एफएमसीजी, मेटल, हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मा और मीडिया के शेयरों में भी सबसे अधिक उछाल रहा। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स भी गिरावट पर बंद हुए। आज सबसे ज्यादा तेजी अदाणी ग्रुप के सभी शेयरों में दर्ज की गई। इसमें 11 प्रतिशत तक की तेजी रही। अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, इटरनल (जोमैटो), पावर ग्रिड, आईटीसी, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, एचयूएल, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार 12वें सत्र में 2 मई को शुद्ध खरीदार बने रहे और उन्होंने 2,769 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,290 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर खुला जबकि निफ्टी मजबूत शुरुआत के साथ 24,400 के पार खुला। शेयर बाजार के कारोबार में निवेशकों का फोकस अमेरिकी आयातों पर लगाए गए टैरिफ के प्रभाव, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों और वैश्विक बाजार की गतिविधियों के अलावा विदेशी निवेशकों के रुख पर रहेगा।

ट्रंप ने फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना बनाई

ट्रंप ने कहा, विदेशी फिल्मों पर टैरिफ लगाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक और बड़ा निर्णय लिया, जो हो सकता है कि फिल्म उद्योग में तहलका मचा दे। ट्रंप ने कहा किया कि वह विदेशों में बनी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जिससे फिल्म इंडस्ट्री को अमेरिका में वापस लाने को लेकर जीवन में पहली बार इतनी मुश्किलें आ सकती हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस निर्णय को साझा करते हुए कहा है कि विदेशी फिल्मों पर टैरिफ लगाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए। हालांकि इसके परिणाम और इसका तात्पर्य क्या होगा, यह स्पष्ट नहीं हैं। हॉलीवुड में इस निर्णय का प्रभाव हो सकता है, जैसे कि विदेश में शूट हुई फिल्मों पर क्या होगा, और इसके फैसले के परिणामस्वरूप विदेशी निर्माताओं के साथ संबंध कैसे बिगड़ेंगे। यह ट्रंप के चीन पर आक्रामक टैरिफ के सिलसिले में एक और कदम है, जिसे चीन ने अमेरिकी फिल्मों की मात्रा कम करके जवाब दिया था। क्या इस क्रम में फिल्म इंडस्ट्री में एक नया युग आ रहा है, या यह केवल आकस्मिक घटना है, यह देखने योग्य है। चिंतन करने के लिए फिल्मों के लिए यह संकेत भविष्य की दिशा में कहानियों को एक नया पटल भी सुझाएगा। हालांकि अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री दुनिया की सबसे प्रभावशाली फिल्म इंडस्ट्री मानी जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में विदेशी फिल्मों की लोकप्रियता में भी तेजी आई है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवॉर्ड भी मिले हैं। उदाहरण के तौर पर, साउथ कोरियन थ्रिलर फिल्म 'पैरासाइट' ने 2020 में चार ऑस्कर अवॉर्ड जीते थे, जिनमें सबसे प्रतिष्ठित 'बेस्ट पिक्चर' का अवॉर्ड भी शामिल था।

रेपो रेट को लेकर बड़ा कदम उठा सकता है आरबीआई

विश्व में कर्ज लेना हो सकता है सस्ता

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 में ब्याज दरों में अहम कटौती की संभावना है। एसबीआई की नई रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, इस साल मार्च तक महंगाई दरों में कमी से आर्थिक माहौल सुधर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी और अप्रैल 2025 में पहले ही 0.50 फीसदी कटौती हो चुकी है और जून और अगस्त 2025 में 75 बेसिस प्वाइंट की और कटौती संभव है। विदेशी मुद्रा में भी बदलाव की संभावना है। 2025 में रुपया डॉलर की तुलना में 85-87 प्रति डॉलर के दायरे में रह सकता है। अमेरिकी महंगाई में कमी और आयात टैरिफ से डॉलर पर दबाव पड़ सकता है। मार्च 2025 में अमेरिका की सीपीआई 2.4 फीसदी रही है और फेड की ओर से आगामी दो सत्रों में ब्याज दरें स्थिर रखने की संभावना है। भारत में महंगाई दर नियंत्रण में है और आर्थिक वृद्धि स्थिर दिख रही है। ऋण्ड्र को इस संकेत के बावजूद ब्याज दरों में कटौती की दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। कुल मिलाकर आरबीआई की कटौती से देश की अर्थव्यवस्था में सुधार की संभावना है, हालांकि इसका असर बैंकिंग सेक्टर पर भी पड़ेगा। भविष्य में कर्ज लेना सस्ता हो सकता है, वहीं बैंक जमा पर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है। यह अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

जिओमार्ट ने क्यों बंद कर दी अपनी क्विक डिलीवरी सर्विस एक्सप्रेस, कर्मचारियों का क्या?

नई दिल्ली। रिलायंस जिओ मार्ट के 1 साल में 2155 स्टोर बंद हो गए हैं। जिओमार्ट एक्सप्रेस डिलीवरी का मुकाबला नहीं कर पाया जिसके कारण अब वह अपने स्टोर घाटे के कारण बंद कर रहा है। रिलायंस स्टोर की त्वरित डिलीवरी सेवा बंद हो गई है। रिलायंस रिटेल इस तरह के व्यवसाय में नहीं रहना चाहती है। पिछले साल इस सेवा को शुरू किया गया था। अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से अपने स्टोर बंद कर रही है।

90 मिनट में डिलीवरी

रिलायंस जिओ मार्ट 90 मिनट में किराने का सामान पहुंचाने का वादा करती थी।

रिलायंस रिटेल ने बताया इस सेवा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पाई। रिटेल बाजार में स्विगी, जोमैटो, जेप्टो और बिगबास्केट जैसी कंपनियां पहले से ही त्वरित डिलीवरी सेवा प्रदान कर रही हैं। रिलायंस रिटेल के लिए इन कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो गया था। इस सेवा के लिए जिओमार्ट एक्सप्रेस की लागत अधिक थी। खर्च ज्यादा था,इससे कंपनी को नुकसान हो रहा था। जिओ मार्ट अभी भी किराना, फैशन, और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उत्पादों की डिलीवरी करता है। रिटेल स्टोर्स में खर्च ज्यादा हो रहा है। कमाई कम हो रही है। जिसके कारण 2155 स्टोर अभी तक रिलायंस ने बंद कर दिए हैं। यदि यही हाल रहा तो रिटेल बिजनेस से रिलायंस जल्द ही तौबा कर सकती है।

वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल में बढ़कर 22.87 लाख इकाई पर

वाणिज्यिक वाहनों को छोड़कर सभी श्रेणियों में अप्रैल में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज हुई

नई दिल्ली। देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री इस साल अप्रैल में मामूली 2.95 प्रतिशत बढ़कर 22,87,952 इकाई हो गई। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने यह जानकारी दी है। फाडा ने कहा कि चैत्र नवरात्रि, अक्षय तृतीया, बंगाली नव वर्ष, बैसाखी और विशु के आसपास ग्राहकों द्वारा खरीदारी पूरी करने से अप्रैल का अंत सकारात्मक रुख के साथ हुआ। अप्रैल, 2024 में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 22,22,463 इकाई रही थी। फाडा ने कहा कि वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) को छोड़कर सभी श्रेणियों में अप्रैल में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। समीक्षाधीन अवधि में दोपहिया, तिपहिया, यात्री वाहन और ट्रैक्टर बिक्री में क्रमशः 2.25 प्रतिशत, 24.5 प्रतिशत, 1.5 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री एक प्रतिशत घट गई।अप्रैल में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 16,86,774 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 16,49,591 इकाई रही थी। इस तरह दोपहिया वाहनों की बिक्री में 2.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई।

समीक्षाधीन महीने में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 3,49,939 इकाई रही, जबकि अप्रैल, 2024 में यह आंकड़ा 3,44,594 इकाई रहा था। इस तरह यात्री वाहनों की बिक्री 1.55 प्रतिशत बढ़ी। पिछले महीने वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 1.05 प्रतिशत घटकर 90,558 इकाई रह गई, जबकि अप्रैल, 2024 में यह 91,516 इकाई रही थी।

दूसरी ओर, ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री 7.56 प्रतिशत बढ़कर 60,915 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 56,635 इकाई थी। फाडा ने कहा कि अप्रैल में तिपहिया खंड में जोरदार तेजी देखने को मिली। माह के दौरान तिपहिया की खुदरा बिक्री 24.51 प्रतिशत बढ़कर 99,766 इकाई हो गई। अप्रैल, 2024 में 80,127 तिपहिया बिके थे।

टाटा ने लॉन्च की 'इनकम प्लस आर्बिट्रेज एक्टिव फंड ऑफ फंड' स्कीम

5,000 रुपए से सब्सक्रिप्शन शुरू; कम जोखिम में बेहतर रिटर्न का मौका

नई दिल्ली। टाटा म्युचुअल फंड ने सोमवार को नया निवेश विकल्प पेश किया है। इस नए फंड का नाम टाटा इनकम प्लस आर्बिट्रेज एक्टिव फंड ऑफ फंड है। इस ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड में निवेशक घरेलू म्युचुअल फंड्स के विभिन्न योजनाओं में निवेश कर सकते हैं। इस नई स्कीम का सब्सक्रिप्शन 5 मई से 19 मई तक में किया जा सकेगा, जबकि कंटिन्यू सेल और रिपरचेज के लिए 25 मई से फिर से खुलेगा। इस स्कीम में मिनिमम 5000 से निवेश करना शुरू किया जा सकता है और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में आगे निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम का बेंचमार्क क्रिसिल कॉम्पोजिट बॉन्ड इंडेक्स (60) और निफ्टी 50 आर्बिट्रेज टीआरआई (40) है। यह स्कीम किसी लॉक इन पीरियड के साथ आती है, लेकिन निवेशकों को एग्जिट लोड के नियमों का ध्यान रखने की जरूरत है। इस नई फंड ऑफर में, फंड मैनेजर बाजार की स्थिति और कारोबारी माहौल के अनुसार अलग-अलग म्युचुअल फंड योजनाओं में निवेश करेंगे। इससे उन्हें निवेश पोर्टफोलियो को मिलाने और निवेश को बेहतर बनाने का मौका मिलेगा। टाटा म्युचुअल फंड की योजनाओं के अलावा इस स्कीम में आवश्यकता पड़ने पर अन्य म्युचुअल फंड हाउस की योजनाओं में भी निवेश किया जा सकेगा।

अल्ट्रोज के अपडेटेड वर्जन को लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज के अपडेटेड वर्जन को जल्द लॉन्च करेगी। यह कार क्लास-लीडिंग फीचर्स, आकर्षक डिजाइन और मल्टीपल पावरट्रेन ऑप्शन के साथ बाजार में दस्तक देने जा रही है। लॉन्च से पहले कंपनी ने इसका टीजर वीडियो जारी किया है, जिसमें नए मॉडल की झलक दिखाई गई है। टाटा मोटर्स इसे 9 मई को अनवील करेगी और इसके एक्सटीरियर व इंटीरियर से पर्दा हटाया जाएगा। 20 मई तक यह डीलरशिप पर पहुंच जाएगी और 25 मई से इसकी टेस्ट ड्राइव शुरू होने की उम्मीद है, जबकि कीमत का ऐलान 22 मई को किया जाएगा। नई अल्ट्रोज को टाटा की अब तक की सबसे प्रीमियम हैचबैक के रूप में पेश किया जाएगा। इसके डिजाइन में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिनमें नए ल्यूमिनेट एलईडी हेडलैंप, इनफिनिटी एलईडी टेल-लैंप और फ्लश डोर हैंडल शामिल हैं। कार का इंटीरियर भी पूरी तरह नया होगा, जिसमें ग्रैंड प्रेस्टीजिया डैशबोर्ड, 10.25-इंच का हरमन टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, अल्ट्रा व्यू ट्विन एचडी डिजिटल कॉकपिट, 360 डिग्री एचडी कैमरा और वॉयस-एक्टिवेटेड इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसी प्रीमियम खूबियां देखने को मिलेंगी। सेफ्टी के लिहाज से भी नई अल्ट्रोज में 5-स्टार एनकैप रेटिंग, मल्टीपल एयरबैग्स और अन्य एडवांस फीचर्स दिए जाने की संभावना है। यह कार पेट्रोल, डीजल और सीएनजी विकल्पों के साथ उपलब्ध होगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर, मौजूदा इंडिकेटर्स दे रहे विकास दर मजबूती का संकेत

चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर ने कहा-एनर्जी ट्रांजिशन से बढ़ रहे रोजगार के अवसर

नई दिल्ली।

मौजूदा इंडिकेटर्स भारत की अर्थव्यवस्था की सकारात्मक तस्वीर दिखा रहे हैं और वैश्विक चुनौतियों के बाद भी घरेलू अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। यह बात चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने एक कार्यक्रम में कही उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है। वित्त वर्ष 2025 के आंकड़े मई में उपलब्ध होंगे और मौजूदा इंडिकेटर्स संकेत दे रहे हैं कि विकास दर मजबूत है। उन्होंने कहा कि देश में ऊर्जा किफायती हो रही है और एनर्जी ट्रांजिशन से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और छोटे और मध्यम एंटरप्राइजेज एवं मैन्युफैक्चरिंग में इजाफा हो रहा है। नागेश्वरन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एजुकेशन और देश का कुशल कार्यबल विकास दर को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई को नियंत्रित रखते हुए व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की जरुरत है। साथ ही समावेशी विकास को टारगेट करना जरूरी है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कार्यक्रम में 2047 तक एक विकसित, उच्च आय वाला देश बनने के भारत के दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत ने लगातार 6.5 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर हासिल की है और यह एक प्रभावशाली उपलब्धि है। यह भारत में संस्थागत चपलता और परिपक्वता दोनों को दर्शाता है। साथ ही कहा कि वैश्विक उथल-पुथल भारत के लिए अवसर पैदा कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। अगले दो सालों में दुनिया की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था होगी, जो कि 6 फीसदी की दर से बढ़ेगी। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में 2.8 फीसदी की कमजोर वैश्विक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 127 देशों की वृद्धि दर में गिरावट शामिल है, जो विश्व जीडीपी का 86 फीसदी है। इस आउटलुक में बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.2 फीसदी की दर से बढ़ सकती है, जबकि 2026 में इसके 6.3 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है।

वहीं, चीन की अर्थव्यवस्था 2025 में 4 फीसदी और 2026 में 4.6 फीसदी की दर से बढ़ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में सूखे पेड़ों को बचाने के लिए ड्रिप ट्रीटमेंट से बड़ी सफलता

कोंडागांव।

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में बड़ेकनेरा गांव के युवाओं ने सूखे पेड़ों को पुनर्जीवित करने के लिए ड्रिप ट्रीटमेंट की नई तकनीकी शुरू की है।पेड़ों को सुखाने के लिए कुछ लोग पेड़ों की गर्डलिंग करते हैं। जिसके कारण पेड़ सूखने लगते हैं। स्थानीय युवाओं ने अब पेड़ों को बचाने के लिए जिस जगह से पेड़ की छाल को छील दिया जाता है। वहां पर युवाओं द्वारा गोबर और मिट्टी का लेप लगाकर उसे बांध दिया जाता है। ऐसे पेड़ों पर प्लास्टिक की बोतल में पानी भरकर ड्रिप तकनीकी से पेड़ों को पानी पहुंचाया जाता है। बूंद-बूंद करके यह पानी पेड़ों तक पहुंचता है। जल्द ही सूखे पेड़, हरे भरे पेड़ के रूप में परिवर्तित होने लगते हैं।ड्रिप तकनीकी से अभी तक 100 से अधिक सूख रहे पेड़ों को हरा भरा बनाया जा चुका है।

पहलगाम आतंकी हमले पर अब तक की कार्रवाई पर बोले संजय राउत- सरकार ने प्रत्यक्ष बदला नहीं लिया

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। राउत ने कहा कि हमले के 12 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार ने प्रत्यक्ष बदला नहीं लिया है। उन्होंने सरकार द्वारा उठाए गए कदमों–जैसे कि पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध, हवाई क्षेत्र बंद करना और पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारियों की संख्या घटाना–को प्रतीकात्मक बताया है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को सीमित करने की दिशा में कई कदम उठाए, जिनमें पाकिस्तानी सैन्य अताशे को निष्कासित करना, सिंधु जल संधि को अस्थायी रूप से निलंबित करना और अटारी बॉर्डर पारगमन चौकी को बंद करना शामिल है। इस पर संजय राउत ने कहा कि सरकार को इस हमले के जवाब में ठोस और प्रत्यक्ष कार्रवाई करनी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और आतंकी घटनाओं के खिलाफ एकजुट होकर ठोस नीति की जरूरत है।

पश्चिम विक्षोभ से बदला राजस्थान का मौसम, कई जिलों में आंधी के साथ बारिश

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम ने करवट ली है। सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली। मौसम विभाग ने जयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, ब्यावर समेत 11 जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम के इस बदलाव से तापमान में गिरावट आई है, लेकिन आम जनजीवन पर इसका प्रतिकूल असर पड़ा है। जानकारी अनुसार राजसमंद, ब्यावर और चित्तौड़गढ़ में सुबह से ही तेज हवाओं के साथ रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई है और सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई। किसानों को खेतों में पड़ी गेहूं और अन्य फसलों के नुकसान की आशंका सता रही है। राज्य के कुछ जिलों में रविवार को भी हल्की से मध्यम वर्षा और ओलावृष्टि दर्ज की गई थी। शेरगढ़ (जोधपुर) में 63 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों तक राज्य में इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

पंजाब में आंधी तूफान से तबाही, ओलावृष्टि के साथ बिजली की तारों पर गिरे पेड़

शहर के कई इलाकों में हो गई थी ब्लैकआउट जैसी स्थिति

लुधियाना। अत्यंत तेज आंधी और तूफान ने शहर का हाल बेहद बिगाड़ दिया है। बीती रात ओलावृष्टि के साथ ही बिजली की तारों पर गिरे पेड़ों के कारण पावर कॉम का सिस्टम बिगड़ गया और अधिकांश इलाकों में ब्लैकआउट हो गया है। वहीं, भारी बारिश ने शहर को दोपहरी व्यापारिक गड्ढों में डूबा दिया है और लोगों को मुश्किलें उठानी पड़ रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में 10 डिग्री की तेज गिरावट के साथ और वारिश की संभावना है। आने वाले दिनों में और भी बदला लेने की संभावना है। वहीं भारी बारिश के कारण शहर की कई इलाकों एवं मुख्य सड़कों पर बरसाती पानी भर गया, जिससे लोगों को विशेष कर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वाले राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के माहिरों के मुताबिक बरसात होने के कारण तापमान में करीब 10 डिग्री सैल्सियस की भारी कमी दर्ज की गई है। आने वाले कुछ दिनों तक आसमान में बिजली की गरज चमक, आंधी तूफान, ओलावृष्टि और बरसात पड़ने की संभावना बनी हुई है।

पहलगाम हमले में अल उमर मुजाहिदीन संगठन ने की आतंकियों की मदद?

-एनआईए ने किया खुलासा, मुश्ताक अहमद जरगर का नाम आया सामने

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले की जांच ने अब नया मोड़ आ गया है। अभी तक सवाल उठ रहा था कि आतंकी वहां कैसे पहुंचे? कैसे इतनी आसानी से लोगों को मारकर कर वहां से निकल गए और वह किसी के पकड़ में नहीं आए। अब इस हमले की जांच कर रही एनआईए टीम ने खुलासा करते हुए कहा है कि आतंकी संगठन अल उमर मुजाहिदीन के मुखिया मुश्ताक अहमद जरगर की इसमें भूमिका हो सकती है। बता दें उसके समर्थकों ने पहलगाम हमले के ओवर ग्राउंड वर्करों की मदद की थी। इस संगठन का मुखिया मुश्ताक अहमद जरगर कंधार हाईजैक के दौरान मसूद अजहर के साथ भारत सरकार द्वारा रिहा किया गया था। फिलहाल वह पाकिस्तान में है। इसका खुलासा सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किए गए ओवरग्राउंड वर्करों से पूछताछ में हुआ। जरगर के आतंकी संगठन को भारत सरकार ने बैन कर रखा है। 2023 में उसके घर को नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने कुर्क किया था। मीडिया रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के मुताबिक बताया गया है कि जरगर पाकिस्तान में है, लेकिन श्रीनगर का होने के नाते ओवर ग्राउंड वर्करों के समर्थकों में उसकी बड़ी पकड़ है। इसीलिए पहलगाम आतंकी हमले में इस शख्स की भूमिका अहम मानी जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर के कई प्रतिबंधित संगठन जांच एजेंसी के निशाने पर हैं। कई अपराधी और आतंकी इस समय हिरासत में हैं। 100 से ज्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर के ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा चुका है। 90 से ज्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर्स के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है। एनआईए लोकल इंटेलिजेंस के साथ पहलगाम के आसपास के कुछ संदिग्ध प्वाइंट के इनपुट को डेवलप कर रही है।

पीएम मोदी और रक्षा सचिव के बीच हुई अहम बैठक, पाकिस्तान पर हो सकती है बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। इसी बीच सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अहम बैठक हुई। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जबकि प्रधानमंत्री मोदी पहले ही थल, जल और वायु सेना प्रमुखों से अलग-अलग चर्चा कर चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, यह चर्चा पाकिस्तान के खिलाफ संभावित रणनीतिक कार्रवाई की अंतिम तैयारी के संदर्भ में हुई है। पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन से अधिक पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस जघन्य हमले से पूरे देश में गुस्सा व्याप्त है। इस घटना पर प्रधानमंत्री मोदी पहले ही सख्त चेतावनी दे चुके हैं कि इस हमले की साजिश रचने वालों को ऐसी सजा दी जाएगी जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी स्पष्ट संकेत दिए कि सरकार की प्रतिक्रिया निर्णायक और सख्त होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली, संकल्प और जोखिम उठाने की क्षमता से देश परिचित है। मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि देश जो चाहता है, वह जरूर होगा। गौरतलब है कि अब तक भारत पाकिस्तान के खिलाफ कई राजनयिक कदम उठा चुका है, जिनमें राजनयिक संबंधों में कटौती, सिंधु जल संधि की समीक्षा, जल रोके जाने से लेकर हवाई क्षेत्र की सीमाएं बंद करना शामिल हैं। अब सैन्य स्तर पर भी बड़ी कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं।रीर पर 9 नामजद और 10 अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। गुरुवार को एक बार फिर दोनों पक्षों में जमकर बवाल हुआ।

आरोप है कि भीड़ में शामिल लोगों ने हथगोले फेंके और फायरिंग की। इस दौरान अनियंत्रित भीड़ ने चौराहे पर स्थित दुकानों और घरों में घुसकर महिलाओं, बच्चों के साथ मारपीट की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो महिलाओं ने उन पर हमला कर दिया।

भारत ने बगलिहार बांध से पाकिस्तान का पानी रोका, सिंधु जल संधि पर दबाव बढ़ा

श्रीनगर।

भारत ने पाकिस्तान को मिलने वाले पानी को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। चिनाब नदी पर स्थित बगलिहार बांध के जलग्रहण गेट बंद कर दिए गए हैं, जिससे पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी का प्रवाह रुक गया है। यह कदम पाकिस्तान द्वारा शनिवार को सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण के कुछ घंटों बाद ही उठाया गया। जानकारी अनुसार भारत ने बगलिहार जल विद्युत परियोजना के गेटों को बंद कर दिया है, साथ ही जलाशय से गाद निकालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि किशनगंगा जलविद्युत परियोजना से भी पानी के बहाव को कम किया जा रहा है, और इसे लेकर जल्द ही रखरखाव कार्य शुरू होने वाला है। यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी हमले के संदर्भ में उठाए गए कदमों के बीच हुई है, जिसमें 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में कई पर्यटक मारे गए थे। पाकिस्तान ने इन दोनों भारतीय जलाशयों, बगलिहार और किशनगंगा, के निर्माण पर आपत्ति जताई थी, जो पहले से ही सिंधु जल संधि को लेकर चल रहे विवाद का हिस्सा हैं। भारत ने सिंधु जल संधि से हटते हुए पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि पानी का प्रवाह अब पूरी तरह से भारत के नियंत्रण में रहेगा। इस संबंध में जल शक्ति मंत्रालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को स्थिति की जानकारी दी है और इसके साथ ही एनएचपीसी के इंजीनियर भी जम्मू-कश्मीर में अभियान की निगरानी के लिए तैनात किए गए हैं।

राजनाथ सिंह और जापानी रक्षा मंत्री ने किया विचारों का आदान-प्रदान

रक्षा और सुरक्षा दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत-जापान रक्षा मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पहलगाम हमले के बाद जापान की तरफ से मिले समर्थन पर आभार माना। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों पक्षों के बीच वर्तमान क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं जापान सरकार का पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ मजबूत एकजुटता दिखाने के लिए धन्यवाद करता हूं। मैं इस अवसर पर भारत-जापान रक्षा संबंधों को गहरा करने में आपके बड़े योगदान की सराहना करता हूं। रक्षा मंत्री के ऑफिशियल एक्स अकाउंट से इस मुलाकात का ब्योरा दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा भारत और जापान के बीच विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने किसी भी प्रारूप में आतंकवाद की निंदा की और सीमा पार खतरों का मुकाबला करने के लिए सहयोग और संयुक्त प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नाकातानी ने भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की।भारत और जापान के बीच दीर्घकालिक मित्रता है। 2014 में इस सहयोग को विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में शामिल करने के बाद दोनों देशों की इस मित्रता ने नई प्रगति की है। रक्षा और सुरक्षा दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। रणनीतिक मामलों पर बढ़ते समन्वय के कारण हाल के वर्षों में भारत और जापान के बीच रक्षा आदान-प्रदान को बल मिला है।

नीट यूजी परीक्षा में माफियाओं ने की गड़बड़ी की कोशिश, कई गिरफ्तार

एनटीए जांच में जुटी, अरविंद-प्रियदर्शी की खंगाल रही कुंडली, एआई की ले रही मदद

पटना।

देशभर में रविवार को नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की गई थी। एक बार फिर परीक्षा माफियाओं ने गड़बड़ी करने का प्रयास किया। ओडिशा में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिहार के अरविंद कुमार और झारखंड के प्रियदर्शी कुमार समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एनटीए भी इस बात की जांच में जुट गया है कि क्या ये परीक्षा माफिया अन्य राज्यों के परीक्षा केंद्रों पर भी गड़बड़ी कर रहे थे। वहीं इस पूरे मामले जांच संजीव मुखिया से जोड़ते हुए भी की जाएगी। एनटीए इसके लिए एआई तकनीक का सहारा ले रही है। बता दें परीक्षा माफिया मूल अभियार्थियों की जगह सॉल्वर को बैठाने की कोशिश कर रहे थे और इसके लिए 20 से 30 लाख में डील की थी। उड़ीसा पुलिस ने समय रहते इन लोगों को गिरफ्तार कर लिया और अब इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

इस मामले में ओडिशा पुलिस जांच के लिए बिहार आ सकती है। एनटीए की टीम अलग-अलग एंगल से जांच करेगी।

अब जो जानकारी मिल रही है, उसके मुताबिक ओडिशा पुलिस जांच के दौरान जरूरत पड़ने पर बिहार पुलिस का भी सहयोग लेगी क्योंकि आरोपी अरविंद बिहार का रहने वाला है।

उड़ीसा पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं अरविंद के तार संजीव मुखिया से तो नहीं जुड़े हैं। ओडिशा में माफियाओं ने परीक्षार्थियों की जगह सॉल्वर बैठाने का प्रयास किया। इस माफिया में बिहार का एक सदस्य भी शामिल है।

जानकारी में बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले की डील 20 से 30 लाख रुपए में हुई थी। जानकारी के अनुसार आरोपी अरविंद कुमार के साथ ही गिरोह के अन्य सदस्य भी गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें एक झारखंड का निवासी प्रियदर्शी कुमार है।

सीएम ममता के मुर्शिदाबाद दौरे से पहले हो गया नया विवाद खड़ा

हिंसा में मृतक के परिवार ने पुलिस पर लगाए धमकाने के आरोप, सीजेआई से की शिकायत

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सोमवार से मुर्शिदाबाद के दो दिवसीय दौरे पर हैं। नए वक्फ कानून को लेकर यहां 11 अप्रैल को हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं ममता के दौरे से ठीक पहले वहां एक नया बवाल खड़ा हो गया। हिंसा में मारे गए पिता-पुत्र के परिवार ने मुर्शिदाबाद पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम, और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को पत्र लिखकर पुलिस के खिलाफ डराने-धमकाने की शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले ने ममता के दौरे से पहले सियासी तापमान बढ़ा दिया। मृतक हरगोबिंद और चंदन दास के परिवार ने आरोप लगाया कि रविवार सुबह मुर्शिदाबाद पुलिस ने कोलकाता के सॉल्ट लेक में एक बीजेपी कार्यकर्ता के घर में जबरन घुस गई, जहां वे पिछले एक हफ्ते से रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार का कहना है कि पुलिस ने दरवाजा तोड़कर घर में घुसकर उन्हें धमकाया। परिवार ने अपने शिकायती पत्र में लिखा कि हमने पुलिस को लिखित बयान दिया था कि हम अपनी मर्जी से कोलकाता आए हैं और किसी दबाव में नहीं हैं। इसके बावजूद इंस्पेक्टर-इन-चार्ज ने हमें डराने की कोशिश की। वहीं मुर्शिदाबाद पुलिस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे सॉल्ट लेक में मृतक के परिवार के ठिकाने पर इसलिए गए थे, क्योंकि परिवार के एक सदस्य ने शिकायत की थी कि दास परिवार का अपहरण कर लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने अपहरण की शिकायत के आधार पर सॉल्ट लेक में बीजेपी कार्यकर्ता के घर का पहुंचे थे। हम परिवार से बात करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने सहयोग नहीं किया। हालांकि परिवार का कहना है कि पुलिस ने जबरन दरवाजा तोड़कर उनके साथ बदसलूकी की। इस घटना की सूचना मिलते ही बीजेपी के कई नेता सॉल्ट लेक पहुंच गए और पुलिस से तीखी बहस हुई। बीजेपी नेताओं ने पुलिस पर ममता बनर्जी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। इसके बाद, बीजेपी ने दास परिवार को एक अज्ञात जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है। दास परिवार ने सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने शिकायती पत्र में लिखा 'हम डर के साये में जी रहे हैं। हम केंद्र से केंद्रीय बलों की तैनाती और हाई कोर्ट तक सुरक्षित पहुँचने की व्यवस्था की मांग करते

हैं, ताकि हमें न्याय मिल सके। सीएम ममता ने पहले कहा था कि वह वक्फ एक्ट को लेकर हुई हिंसा की स्थिति का जायजा लेने मुर्शिदाबाद जाएंगी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि हिंसा के लिए 'बाहरी लोग' जिम्मेदार हैं, लेकिन दास परिवार की शिकायत ने उनके दौरे से पहले एक नया सियासी बवाल खड़ा कर दिया है।

भारत ने पाकिस्तान के दो न्यूज पोर्टल्स के एक्स अकाउंट को किया बैन

इन प्लेटफॉर्म्स पर भारत विरोधी सामग्री को बढ़ावा देने का है आरोप

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच भारत सरकार ने एक और सख्त कदम उठाते हुए दो न्यूज पोर्टल्स बलूचिस्तान टाइम्स और बलूचिस्तान पोस्ट के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल को बैन कर दिया है।

यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अपनाए गए आक्रामक रवैये का हिस्सा है। सोशल मीडिया पर कार्रवाई के तहत भारत ने पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी, पूर्व पीएम इमरान खान और पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक्स अकाउंट्स पर भी भारत में रोक लगा दी थी।

ख्वाजा आसिफ भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी और परमाणु हमले की धमकी देने दे रहे थे।

इससे पहले, भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख यूट्यूब चैनलों को भी बैन कर दिया है। केंद्र सरकार की ये कार्रवाइयां भारत की सुरक्षा और संप्रभुता को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का हिस्सा हैं। बलूचिस्तान टाइम्स और बलूचिस्तान पोस्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर भारत विरोधी सामग्री को बढ़ावा देने का आरोप है, जिसके चलते इन को बैन कर दिया गया है।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर घेरने की रणनीति अपनाई है।

भारत की ये कार्रवाइयां पाकिस्तान को साफ संदेश देती हैं कि आतंकवाद और भारत विरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित। (इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717